(b) Government has seen this news item.

(c) No investigations were considered necessary.

(d) This information is not readily available to Government.

Statement by Chief Minister of Punjab regarding creation of Pakistan

5544. SHRI PHOOL CHAND VERMA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the statement made by the Chief Minister of Punjab to the effect that 'the creation of Pakistan was a mistake' in protest of which the Assembly of Punjab Province in Pakistan passed a motion condemning it; and

(b) if so, the reaction of Government of India thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH): (a) and (b). The remarks made by the Punjab Chief Minister at the inaugural function of the Amritsar Television station on 29th September, 1973 have obviously been misquoted in Pakistan. What the Punjab Chief Minister had said cannot be construed as having called into question the creation of Pakistan.

कोयला खानों का राष्ट्रीयकरण

5545. **श्री धनशाह प्रधान : क्या इस्पात और खान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनको पता है कि कोयला खानों का राष्ट्रीयकरण किए जाने के बाद सरकारी कस्टोडियन के द्वारा कई भूतपूर्व खनिज मालिकों एवं प्रबंधकों के मकानों का जबरदस्ती ताला तोड़कर सामान निकाल लिया गया है; और

(ख) यदि हां, तो ऐसी घटनाओं की संख्या कितनी है तथा क्या ऐसा करने के लिए कस्टोडियन को केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार की ओर से आदेश दिए गए थे ?

इस्पात और खान मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सुबोध हंसदा) : (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

नेपाल को बेचा गया उत्तम किस्म का कोयला

5546. **श्री अनन्त प्रसाद धूसिया : क्या इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वाणिज्य प्रतिनिधि नेपाल सरकार की सिफारिश पर अप्रैल, 1973 से सितम्बर 1973 तक कितना उत्तम किस्म का कोयला नेपाल के एजेंटों को बेचा गया;

(ख) क्या यह कोयला पूर्वोत्तर रेलवे के वढ़नी, विल्हिया, नौगढ़ और शौहरतगढ़ स्टेशनों पर उतारा गया था;

(ग) क्या इन नेपाली एजेंटों ने अगस्त, 1973 में खरीदे हुए कोयले में से कुछ कोयला भारतीय नागरिकों तथा भट्टे वालों को बेचा था;

(घ) क्या इस बिक्री के मामले में भारतीय सीमा शुल्क अधिकारी तथा भारतीय रेलवे के अधिकारी भी अन्तग्रस्त हैं; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार इस मामले में क्या कार्यवाही करने जा रही है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सुबोध हंसदा) : (क) नेपाली कौंसल कार्यालय, कलकत्ता की अनुशंसा पर कोयला नियंत्रक द्वारा 71,904 टन कोयले के लिए जारी की गई स्वीकृति के विरुद्ध रेल विभाग द्वारा नेपाल को अप्रैल से सितम्बर, 1973 के दौरान 40,790 टन ग्रेड-I चूना/स्टीम कोयला आवंटित किया गया था।

(ख) और (ग). अनिर्दिष्ट ग्रेड कोयले के 9 तथा 15 वैगन विशेषतया अप्रैल से सितम्बर, 1973 के दौरान नौगढ़ तथा स्टेशनों पर काट कर खाली किए गए और खुली नीलामी द्वारा उसकी बिक्री की गई।

(घ) और (ङ). भारतीय सीमा-शुल्क अधिकारियों, भारतीय रेलवे अधिकारियों के बारे में किसी भी प्रकार भ्रष्टाचार की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।